चीनी उत्पादन घटा, पर बनी रहेगी गुझिया की मिठास

राजीव कुमार

नई दिल्ली।

चालू चीनी सीजन (अक्तूबर-सितंबर) में चीनी के उत्पादन में गत 28 फरवरी तक लगभग 40 लाख टन की कमी आ चुकी है, लेकिन इसका असर होली की गुझिया पर नहीं पड़ने जा रहा है। गुझिया की मिठास बनी रहेगी क्योंकि चीनी के दाम में कोई इजाफा नहीं होने जा रहा है। चीनी के दाम में बढ़ोतरी नहीं होने की मुख्य वजह यह है कि चीनी का पुराना पर्याप्त स्टॉक मौजूद है।

भारतीय चीनी मिल संघ (इस्मा) ने चालू चीनी सीजन में सिर्फ 2.03 करोड़ टन चीनी के उत्पादन का अनुमान लगाया है जबकि पहले यह अनुमान 2.13 करोड़ टन का था। इस्मा के मुताबिक चीनी का पुराना स्टॉक देश में 77.5 लाख टन का है। इस प्रकार चालू चीनी सीजन में चीनी की उपलब्धता 2.805 करोड़ टन की होगी। वहीं चीनी की घरेलू खपत 2.38-40 करोड़ टन की है। ऐसे में घरेलू स्तर पर खपत के लिए चीनी की कोई कमी नहीं होने जा रही है और अगले चीनी सीजन के लिए 40-42 लाख टन का स्टॉक होगा। दिल्ली अनाज मंडी में चीनी के थोक कारोबारी विक्की गुप्ता ने बताया कि चीनी का उत्पादन भले ही कम हो रहा है, लेकिन पिछले 45 दिनों से चीनी के दाम में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है और आगे भी बढ़ोतरी की कोई संभावना नहीं है। थोक बाजार में चीनी एम ग्रेड की कीमत 3,950 रुपये प्रति क्विंटल है जो पिछले डेढ़ महीनों से एक ही स्तर पर कायम है।

चीनी की बिक्री में भी हो रही है गिरावट

इस्मा के मुताबिक पिछले साल के मुकाबले इस साल चीनी सीजन के पहले चार महीनों में चीनी की बिक्री में पिछले चीनी सीजन की समान अवधि के मुकाबले 7.5 लाख टन की कमी आई है। इस्मा ने चीनी की बिक्री में गिरावट के लिए नोटबंदी, थोक स्तर पर चीनी की मांग में कमी और केंद्र सरकार की तरफ से राशन की दुकान में चीनी पर मिलने वाली सब्सिडी को खत्म करने के प्रस्ताव को मुख्य वजह बताया है।

Amar Ujala
8/3/17